



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया और बताया कि 3 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्तावों पर काम शुरू हो गया है।

राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने "निवेश उत्सव" में कहा, राइजिंग राजस्थान में हस्ताक्षरित 3 लाख रूपए के एमओयू की ग्राउन्ड ब्रेकिंग हुई

जयपुर, 31 मार्च। सोमवार को जयपुर के एक निजी होटल में आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस बार राजस्थान दिवस पर सात दिवसीय महोत्सव का आयोजन कर महिला, किसान, युवाओं के उत्थान और गरीब कल्याण की कई सौगातें दी गई हैं। इसी कड़ी में, आज हम यहां निवेश उत्सव मना रहे हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि आज का निवेश उत्सव एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन इम्पेक्ट 1.0 (इम्पेक्ट वन प्वाइंट ओ) पर केंद्रित है, जो राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय रियू मेकेनिज्म बनाया है। हर विभाग और जिले में डेडिकेटेड टीम बनाई, जो इन एमओयू की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है। इस सतत पर्यवेक्षण का ही परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो रही है। कार्यक्रम में इस संबंध

- मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य में अलग-अलग सैक्टर की जरूरतों के हिसाब से डिजायन किए गए 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किये जायेंगे।
- इस वर्ष 11 और 12 दिसम्बर को दो दिवसीय राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन होगा।

में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रिको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलाटमेंट पॉलिसी लॉन्च की, जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया, जिन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए।

शर्मा ने कहा कि हम राजस्थान में 'विकसित राजस्थान 2047' का सपना देख रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम वर्ष 2030 तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, किसानों के लिए समृद्धि और हमारे अधिमर्यों के लिए अवसरों का एक नया युग साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि सरकार 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने जा रही है। इन नए औद्योगिक क्षेत्रों को अलग-अलग सैक्टर की जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया है, ताकि हमारा प्रदेश मैनुफैक्चरिंग का पावरहाउस बन सके। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन के गुवाहाटी, भुवनेश्वर, रांची, पुणे, दिल्ली, दुबई, म्यूनिख, रियाद, टोक्यो, सिंगापुर, मेलबर्न, नैरोबी, कम्पाला और दोहा में 14 नए चैप्टर्स खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हमारी सरकार इस साल 11 और 12 दिसंबर को दो दिवसीय राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन भी करेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन इन्वेस्टर इंटरफेस का मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया, जिससे संबंधित निवेशक मोबाइल पर ही अपने-अपने प्रस्तावों के क्रियाव्यव

की प्रगति को ट्रैक कर सकेंगे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि हम राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर निर्णय ले रहे हैं, जिससे वर्ष 2047 तक के विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सके। मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने कहा कि निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने में राजस्थान अग्रणी राज्य है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 लोगो का बटन दबाकर अनावरण किया तथा कॉन्क्लेव की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अतिरिक्त शर्मा, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के चैयरमैन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश शर्मा, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव खेल एवं युवा मामले भवानी सिंह देवा, रिको की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में निवेशक उपस्थित रहे।

'बिहार में अमित शाह सरकार चला रहे हैं'

प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि नीतीशा तो सिर्फ मुखौटा हैं

किशनगंज, 31 मार्च। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीशा कुमार सिर्फ मुखौटा हैं, सरकार केन्द्रीय मंत्री अमित शाह और उनके अधिकारी चला रहे हैं।

किशोर किशनगंज में अंजुमन इस्लामिया ईद मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। ईद मिलन कार्यक्रम के बाद किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में नीतीशा सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। कुमार खुद सरकार चलाने की स्थिति में नहीं हैं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें 13 करोड़ लोगों के ऊपर बैठा रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुमार सिर्फ मुखौटा हैं, जबकि दिल्ली में बैठी सरकार और उनके अधीन कुछ अधिकारी सरकार चला रहे हैं।

किशोर ने कहा कि हम वक्फ कानून के खिलाफ हैं। यदि मुस्लिम समुदाय को विश्वास

- जनसुराज पार्टी के चीफ प्रशांत किशोर ने किशनगंज में अंजुमन इस्लामिया ईद मिलन कार्यक्रम में शिरकत की।

में लिए बिना वक्फ कानून पारित किया जाता है तो यह पूरी तरह से गलत होगा। उन्होंने कहा कि यदि वक्फ कानून पारित होता है तो इसके लिए भाजपा से ज्यादा कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसद जिम्मेदार होंगे। ऐसा इसलिए, क्योंकि यदि जदयू के सांसद वक्फ के खिलाफ वोट करते हैं तो यह कानून नहीं बन सकता। और यदि वे वक्फ के खिलाफ वोट नहीं करते हैं तो खुद के गांधी और लोहिया का अनुयायी कहना गलत होगा।

'मोदी का उत्तराधिकारी ढूंढने की कोई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सेवानिवृत्त किया जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। इस अटकल को खारिज करते हुये कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होना संभावित है, फंडनवीस ने कहा: "हमारी संस्कृति में, जब तक पिता जीवित हैं, तब तक उत्तराधिकारी की चर्चा अनुचित मानी जाती है। इस बिन्दु पर चर्चा करने का समय अभी नहीं आया है।"

इस बीच, वरिष्ठ आरएसएस नेता सुरेश "भैयाजी" जोशी, जो रविवार को नागपुर में ही थे, ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के हटने की चर्चा की जानकारी नहीं है।

राउत ने अपने बयान में कहा कि यह तो स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री को 75 वर्ष की उम्र पर सेवानिवृत्त होने के लिए बाध्य कर दिया जायेगा तथा इस श्रेणी के अन्य नेताओं को भी सेवानिवृत्त होने के संकेत दिये जायेंगे। मोदी इस वर्ष सितम्बर में 75 वर्ष के हो रहे हैं।

राउत ने आगे कहा कि मोदी पिछले 11 वर्षों में कभी भी आरएसएस मुख्यालय नहीं गये, लेकिन वे रविवार को संघ को यह सूचित करने ही गये कि

वे अब पद छोड़ रहे हैं। 2014 के बाद मोदी की आरएसएस मुख्यालय की इस पहली यात्रा को इस रूप में देखा जा रहा है कि गत वर्ष के "उदासीन रिशतों" के बाद, अब अपने सैद्धांतिक अभिभावक (आरएसएस) के प्रति भाजपा का रख बदल गया है, उसमें उष्णता आ गई है।

पार्टी ने कहा है कि ऐसा कोई नियम नहीं है, तथा केन्द्रीय मंत्रिमंडल में कम से कम एक सदस्य, जीवन राम माँझी, तो इस उम्र-सीमा को पार कर चुके हैं।

अस्सी वर्षीय माँझी इस समय माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एन्टरप्राइजेज मिनिस्टर हैं। मोदी सहित, अन्य कुछ मंत्री एक या दो साल के अंदर ही 75 वर्ष के हो जायेंगे।

तथापि, मोदी के भविष्य को लेकर चर्चा, मूल रूप से तो दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले साल के चुनावों के दौरान ही उस समय शुरू कर दी थी, जब उन्होंने जोर देते हुये कहा था कि गुह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री बनने के लिये तैयार किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की नागपुर-स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक मुख्यालय की यात्रा ने उस चर्चा को बढ़ा रूप दे दिया है। आरएसएस को सत्तारूढ़ भाजपा

का वैचारिक मार्गदर्शक माना जाता है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल, शिव सेना (यूबीटी) ने मोदी की आरएसएस मुख्यालय की इस यात्रा को हाथों-हाथ ले लिया और संजय राउत ने बयान दे दिया कि आरएसएस ने मोदी को बुलाया था, ताकि उनके उत्तराधिकारी के प्रश्न पर उनसे चर्चा हो सके।

इस बात पर जोर देते हुये कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा, राउत ने कहा, "वे (मोदी जी) आरएसएस मुख्यालय में संभवतः इसलिए गये थे कि वे सितम्बर में होने

जेईई मेन्स परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कि 29 मार्च को रात 11 बजे उससे आखिरी बार बातचीत हुई थी। बेटे ने लखनऊ के लिए बस में रिजर्वेशन भी करा लिया था।

इसका सारा सामान पैकर्स एंड मूवर्स के जरिए ले आएंगे, लेकिन इसके बीच ही यह हादसा हो गया। पिता ने बताया कि उज्ज्वल पढ़ाई में ब्रिलिएंट तो नहीं

था, लेकिन एवरेज से काफी अच्छा था। कोटा में यह 2 साल से काफी अच्छे से रह रहा था, इसलिए सुसाइड करने की आशंका नहीं थी। उज्ज्वल के लिए दीपक मिश्रा ने कहा, हमने देखा है, बच्चों में स्ट्रेस है, वे अपनी बात ठीक से नहीं बता पाते हैं। मैंने जब उसे बताया कि मैं उसे लेने आ रहा हूँ तो शायद उसको यह करना ही आसान लगा।

राजशाही समर्थक आंदोलन ने जोर पकड़ा

काठमांडू/रक्सौल, 31 मार्च। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं का समाधान 'राजा की शरण' में मिल जाने की उम्मीद में, 'लोकतंत्र' को समाप्त कर 'राजतंत्र' को वापसी के लिए संघर्ष शुरू करने वाले दुनिया के पहले देश नेपाल में यह आंदोलन अब पहाड़ से उतरकर मैदान की ओर फैलने लगा है।

भारत के सीमवर्ती राष्ट्र नेपाल में 'राजतंत्र' की वापसी का आंदोलन बहुत कम समय में ही देशव्यापी विस्तार पाने लगा है। बेरोजगारी और महंगाई से उत्पन्न नाराजगी युवा कंधों पर सवार होकर पहाड़ी क्षेत्रों से उतरकर मैदानों इलाकों में फैलने लगी है। इसके ठीक विपरीत, 'लोकतंत्र' की स्थापना का आंदोलन मैदानी क्षेत्रों से निकलकर पहाड़ों इलाकों की ओर गया था।

देश की राजधानी काठमांडू से चला आंदोलन हेरौरा और नरायणघाट की सर्पाकार पहाड़ी सड़कों से गुजरकर भारत के सीमावर्ती बीरगंज, विराटनगर, नेपालगंज और जनकपुर के मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच गया है।

उदयपुर में पूर्व केन्द्रीय मंत्री गिरिजा व्यास झुलसों, अहमदाबाद रैफर किया

गणगौर की पूजा के दौरान चुन्नी ने आग पकड़ ली थी

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर/उदयपुर, 31 मार्च। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री गिरिजा व्यास (79) आरती करते हुए झुलस गईं। गणगौर पूजा के दौरान दीपक से उनकी चुन्नी में आग लग गई। गिरिजा व्यास को उदयपुर के निजी अस्पताल में ले जाया गया था, जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद उनको अहमदाबाद रैफर कर दिया गया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल से बात करके गिरिजा व्यास के बेहतर इलाज का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गिरिजा व्यास के भाई और भतीजे से अहमदाबाद फोन पर बातचीत कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री शर्मा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल से

दौरान आग लगने की सूचना मिली। घर पहुंचे तो पता चला कि वे गणगौर का पूजन कर रही थीं। इसी दौरान उनकी चुन्नी में आग गई। नीचे जल रहे दीपक के कारण उनकी चुन्नी में आग पकड़ ली थी। घर में ही काम करने वाले एक व्यक्ति ने उनको संभाला। उनको उदयपुर में निजी हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां से उन्हें अहमदाबाद रैफर कर दिया गया।

वहूँ हितांशु शर्मा ने बताया कि गणगौर की पूजा करने के बाद सभी लोग अपने-अपने कामों में लग गए थे। इसी दौरान नीचे जल रहे दीपक से चुन्नी में आग पकड़ ली। इसके बाद तुरंत मैं और मेरे पति और घर में काम करने वाला बसंत उन्हें अस्पताल लेकर गए।

अप्रैल -जून में देश के 15 राज्य गर्मी से झुलसेंगे

भारतीय मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया

- मौसम विभाग ने पूर्वी यूपी में 10 दिन में लू चलने की चेतावनी दी
- मौसम विभाग ने बताया कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों में तेज गर्मी पड़ने की संभावना है।

नयी दिल्ली, 31 मार्च। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अप्रैल से जून के बीच सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। इस साल फरवरी के अंत में ही कोंकण, तटीय कर्नाटक में गर्म हवाएं चलने लगी थीं। मार्च में ओडिशा समेत कई राज्यों से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की खबरें आईं। अब मौसम विभाग ने कहा है कि मध्य और पूर्वी भारत के अलावा उत्तर-पश्चिमी राज्यों में लू (गर्म हवाएं) वाले दिनों की संख्या पिछली बार से अधिक रहेगी। कुछ राज्यों में लू वाले दिन दोगुना होने की आशंका है।

महापत्र ने कहा, जिन राज्यों में सामान्य से अधिक गर्म हवाएं चलने की संभावना है, उनमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार,

झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी भाग शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में इस अवधि के दौरान 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के प्रमुख ने कहा, अप्रैल में भारत के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। अधिकांश क्षेत्रों में

झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी भाग शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में इस अवधि के दौरान 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के प्रमुख ने कहा, अप्रैल में भारत के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। अधिकांश क्षेत्रों में